कान्हा मेरे कान्हा मेरे घर आना

कान्हा मेरे कान्हा मेरे घर आना माखन और मिश्री का भोग लगा जाना
ओ संवारे ...

कान्हा संग राधिका को लाना,
मोर मुकट बाँध के तुम बांसुरी बजाना संवारे
बंसी बजैयाँ धेनु चरियां रास रचियाँ कृष्ण कन्हियाँ
ओ छलिया मेरे नाग नथियाँ ढोल मंजीरा झांज तुम भ्जाना
ओ संवारे ...
मिरदंग तुम बजाना ओ संवारे ...

संग ग्वाल बाल लाना गोपियों संग आके प्रभु रास तुम रचाना,
ओ संवारे ...

नैना प्रेम में दीवानी साँची तेरी प्रीत कान्हा जग से हु बेगानी ओ संवारे,

Source: https://www.bharattemples.com/kanha-mere-kanha-mere-ghar-aana/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw